>

Title: Need to take measures for improvement of Tiger Reserves in Rajasthan.

**श्री रतन सिंह (भरतपुर):** राजस्थान में कई अभ्यारण्य स्थल हैं और बाघ रिजर्व के सृजन के लिए दर्राह, जवाहर सागर और चंबल वन्य जीव अभ्यारण्य अनुमोदन प्राप्त हो गया है। इन अभ्यारण्य स्थलों को पर्यटन स्थल का रूप दिया जाए तो सरकार को एक अच्छी आमदनी हो सकती है। पर्यटकों को काफी संख्या में आकर्षित किया जा सकता है। बाघ संरक्षण हेतु बाघ रिजर्वों का मूल्यांकन करके तथा निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ करके भारत की इस दुर्लभ वन्य प्रजाति को बचाया जा सकता है। अफ्रीकी देशों में अपने जंगल संबंधित पर्यटनों से काफी राजस्व प्राप्त हो रहा है। हमें भी ऐसे प्रयास करने चाहिए।

सरकार से अनुरोध है कि राजस्थान के दर्राह, जवाहर सागर और चंबल वन्य जीव अभ्यारण्य को नए बाघ संरक्षण हेतु बाघ रिजर्वों का मूल्यांकन करके तथा निगरानी तंत्र को और सुदृढ़ करके भारत के अभ्यारण्य स्थलों को विश्व अभ्यारण्य स्थलों की श्रेणी में लाने का प्रयास किया जाए। रणथम्भौर बाघ अभ्यारण्य को केला देवी जी, बयाना, जिला भरतपुर तक सीमांकन किया जाए।